The motion was adopted.

(ii) Central Silk Board.

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P.A. SANGMA):

I beg to move :

"That in pursuance of sub-section (3)(c) of Section 4 of the Central Silk Board Act, 1948, the members of this House do proceed to elect, in such manner as the Speaker may direct, four members from among themselves to serve as members of the Central Silk Board subject to the other provisions of the said Act."

MR. DEPUTY SPEAKER : Tha question is :

"That in pursuance of sub-section (3)(c) of Section 4 of the Central Silk Board Act, 1948, the members of this House do proceed to elect, in such manner as the Speaker may direct, four members from among themselves to serve as members of the Central Silk Board, subject to the other provisions of the said Act."

The motion was adopted.

12.49 hrs.

EMIGRATION BILL—*Contd.*

MR. DEPUTY SPEAKER : We now take up further consideration of the Emigration Bill. The time alloted was three hours. We have already taken two hours and twenty one minutes. I would appeal to the Members to be as brief as possible in their speeches so that we can complete it after lunch.

श्री रीतलाल प्रसाद वर्मा (कोडरमा) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं कल कह रहा था कि हमारे भारत के कोई9, 10लाख लोग 112 विदेशों में जाकर काम कर रहे हैं और भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा कमाकर इस देश को दे रहे हैं लेकिन उनकी जो आज वहां दुर्दशा है, उसकी जितनी जांच पड़ताल हमारी सरकार को करनी चाहिये, उतनी उसने नहीं की है।

हमारे भारत के सैकड़ों लोग विदेशों में यहां से ट्रैवल एजेन्ट भेज देते हैं और वहां जाकर वह बिना काम के धोखेबाजी में छोड़ दिये जाते हैं।

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS, SPORTS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BUTA SINGH) : We may forego lunch to that Members may get more time to speak.

MR. DEPUTY SPEAKER : The Minister of Parliamentary Affairs, says that Members are very particular to speak. He suggests that we may for go lunch.

SHRI RAMAVATAR SHASTRI (Patna): In Budget session you do like that. But now this suggestion should not be accepted. The employees are also there. They have to take their lunch.

MR. DEPUTY SPEAKER : All right. If the suggestion is not acceptable to you, lunch hour will be there.

श्री रीतलाल प्रसाद वर्मा : वहां पर वे कस्टम्ज अधिकारियों या एयरलाइन्ज द्वारा पकड़ लिये जाते हैं। बुडापेस्ट में भारत के कई लोग फंसे हुए हैं। धोखेबाज ट्रेवल एजेन्ट इस तरह धोखा-धडी करके करोड़ों रुपयों का मुनाफा कमा रहे हैं। भारत सरकार ने 152 ट्रेवल एजेन्सियों को लाइसेंस दिए हैं। उन्होंने अपने एजेंट देशभर में फैला रखे हैं, जो भोली-भाली जनता को राजमिस्त्री, बढ़ई, प्लंवर, इलैक्ट्रीशन आदि की नौकरी दिलाने का प्रलोभन देते हैं। उन्होंने झूठे ट्रेड सर्टिफिकेट दिलवाने का बिजिनेस भी कर रखा है। नौकरी के हिसाब से वे हर व्यक्ति से दस, पन्द्रह या बीस हजार रुपए वसूल करते हैं। लोगों को ठगने के कई उदाहरण हमारे सामने आ चुके हैं।

एयर इंडिया के अधिकारी भी ट्रेवल एजेंटों से सांठ-गांठ रखते हैं और एजेंटों के साथ मिलकर लोगों को विदेशों में भेज देते हैं, भले ही वहां पर उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़े। हमारे लोगों को पासपोर्ट और वीसा में कमी रहने के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। नकली वीसा दिलाने